COURSE-6

1

समुदाय (Community)

समुदाय का अर्थ (community) :- समुदाय का अंग्रेजी रूपान्तर (community) दो शब्दों से मिलकर बना है - COM और MUNIS
COM का अर्थ है - Together - एक साथ
MUNIS का अर्थ है - To Serve - सेवा करना
अर्थात To Serve Together - मिलकर सेवा करना।

समुदाय व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जो मिलकर एक साथ रहते हैं और एक-दूसरे की सेवा करते हुए अपने अधिकारों का उपयोग करते हैं।

समुदाय मनुष्यों की स्थायी और स्थानीय समूह है, जिनके अनेक प्रकार के समान हित होते हैं।

सभ्यता की प्रगति और इसके फलस्वरूप संसार के लोगों की एक-दूसरे पर अधिक निर्भरता हो जाने के कारण, समुदाय की धारणा विस्तृत हो गई है। धीरे-धीरे छोटे और आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदाय का स्थान विश्व समुदाय लेता जा रहा है। इस बड़े समुदाय के लोग समान आदर्शों, रुचियों और आवागमन तथा संदेश के तेज साधन के कारण अधिक पास होते जा रहे हैं।

गिंसबर्ग के अनुसार - "समुदाय सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले सामाजिक प्राणियों का एक समूह समझा जाता है, जिसमें सभी प्रकार के असीमित, विविध और जटिल सम्बन्ध होते हैं जो सामान्य जीवन के फलस्वरूप होते हैं या जो इसका निर्माण करते हैं।"

मैकाइवर - "जब कभी एक छोटे या बड़े समूह के सदस्य इस प्रकार रहते हैं कि वे इस अथवा उस विशिष्ट उद्देश्य में भाग नहीं लेते हैं, वरन् जीवन की सम[स्त] भौतिक दशाओं में भाग लेते हैं, तब हम ऐसे समूह को समुदाय कहते हैं।"

लैंगिकता हेतु सामाजीकरण में समुदाय का प्रभाव :-
(Effect of community Gendered Socialization)

1.) सामाजिक प्रभाव (Social Influence) :-

बालक पर समुदाय का सीधा सामाजिक प्रभाव पड़ता है। समुदाय ही उसकी सभ्यता और सामाजिक प्रगति का मुख्य आधार है समुदाय में समय-समय पर मेले, उत्सव, सामाजिक सम्मेलन, धार्मिक कार्य आदि होते हैं। बालक इनमें भाग लेकर सामाजिक जीवन और सामाजिक सेवा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करता है। समुदाय में रहकर ही बालक अधिकार और स्वतन्त्रता का वास्तविक अर्थ समझता है। समुदाय, व्यक्ति में नागरिक गुणों का विकास करता है और सेवा, त्याग और सहयोग की भावनाएँ उत्पन्न करता है।

2.) राजनीतिक प्रभाव (political Influence) :-

समुदाय का राजनीतिक प्रभाव बालक के राजनीतिक विचारों को निश्चित रूप देता है। उदाहरण - अमरीका के निवासी लोकतन्त्रीय विचारों और आदर्शों का समर्थन करते हैं और रूस के लोग साम्यवादी विचारों और सिद्धान्तों को पसन्द करते हैं। दोनों देशों के निवासी एक दूसरे के घोर विरोधी हैं।

3.) आर्थिक प्रभाव (Economic Influence) :-

समुदाय का आर्थिक प्रभाव उद्योगों और व्यवसायों में दिखाई देता है। बालक समुदाय के व्यक्तियों को विभिन्न व्यवसायों में लगा हुआ देखता है

फलतः उनमें से किसी में उसकी रुचि उत्पन्न होती है और वह उसे सीखने के लिए उत्सुक हो जाता है। समुदाय बालक को व्यवसाय को चुनने में प्रभावित करता है।

4) सांस्कृतिक प्रभाव (Cultural Influence):—

प्रत्येक समुदाय की अपनी संस्कृति होती है। यह अपने सदस्यों पर उसकी छाप लगाने और उनको उससे पूर्ण रूप से परिचित कराने का प्रयास करता है। बालक अपने से बड़े लोगों को अपनी संस्कृति का सम्मान और संरक्षण करते हुए देखता है। जब बालक समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक उत्सवों को देखता है, तब वह उसका अनुसरण करने का प्रयास करता है। जब बालक पहली बार विद्यालय में आता है तब उसमें भाषा, धर्म और नैतिकता की कुछ विशेषताएँ उसकी संस्कृति को बताती हैं।

5) साम्प्रदायिक प्रभाव (Communal Influence):—

यह प्रभाव समुदाय के विद्यालयों द्वारा डाला जाता है। बहुत से समुदाय अपनी शिक्षा-संस्थाएँ स्थापित करते हैं। इन संस्थाओं के अपने स्वयं के लक्ष्य और उद्देश्य होते हैं। वे इनके अनुसार बालकों को अपने समुदायों की सेवा और कल्याण के लिए प्रशिक्षित करते हैं। पर साम्प्रदायिक स्कूल बड़ा घातक प्रभाव डालते हैं। वे बालकों में संकुचित दृष्टिकोण और संकीर्ण साम्प्रदायिक भावना उत्पन्न करते हैं।

6) शिक्षा पर नियंत्रण (Control on Education):—

भारतीय विद्यालय अपने उद्देश्यों और विधियों में लोकतन्त्रीय आदर्शों को अपनाएँ, यह आवश्यक है कि समुदाय से आर्थिक सहायता

10) शिक्षा की सार्वभौमिक माँग (Universal Demand for Education) :- हुमायूँ कबीर के अनुसार भारत में शिक्षा की सार्वभौमिक माँग की गई है। कुछ देशों ने विद्यालय में बालक की उपस्थिति अनिवार्य मानी है। भारत में ऐसी आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा है।

11) प्रारम्भिक व पूर्व-प्रारम्भिक शिक्षा का विकास :- (Development of primary and pre-primary Education)

प्रारम्भिक और पूर्व-प्रारम्भिक शिक्षा के विकास में समुदाय का बहुत हाथ रहा है। सरकार इस काम का पूरा भार धीरे-धीरे अपने ऊपर लेती जा रही है, पर पूर्व-प्रारम्भिक शिक्षा का भार और विकास अभी तक गैर-सरकारी हाथों में ही है।

12) माध्यमिक शिक्षा का विकास (Development of Secondary Education) :- माध्यमिक शिक्षा के विकास में समुदाय का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण रहा है। देश के जितने भी मिडिल और सैकेण्डरी स्कूल कार्य कर रहे हैं उनमें से अधिकांश की स्थापना और संचालन का श्रेय समुदाय को है।

13) उच्च शिक्षा का विकास (Development of Higher Edu)

उच्च शिक्षा के विकास में भारतीय समुदाय ने बहुत कम योगदान दिया है। इसके दो कारण हैं - i) अंग्रेजों के समय में विश्वविद्यालयों की स्थापना सरकार द्वारा की जाती थी। ii) उच्च शिक्षा विशिष्ट स्थानों और समुदायों की आवश्यकताओं को पूर्ण नहीं करती थी।

इस प्रकार हम देखते हैं कि बालक के व्यक्तित्व पर समुदाय का शैक्षिक प्रभाव बहुत ही शक्तिशाली होता है। जब यह प्रभाव ठीक प्रकार का होगा, तभी बच्चों के दृष्टिकोण ठीक होंगे अन्यथा नहीं।